व्यवसाय योजना

आय सृजन गतिविधि कृमि खाद

श्रीखण्ड स्वयं सहायता समूह

एसएचजी/सीआईजी का नाम	::	श्रीखण्ड वर्मीकम्पोस्ट
वीएफडीएस का नाम	::	सरगा
रेंज (वन परिक्षेत्र)	::	अरसू
वनमण्डल	::	लुहरी (आनी)

हिमाचल प्रदेश वन पारिस्थितिकी तंत्र प्रबंधन और आजीविका में सुधार के लिए परियोजना (जा.इ.का. वितपोषित)

विषयसूची

1.	परिचय	**4**
2.	एसएचजी/सीआईजी का विवरण	**6**
3.	लाभार्थीतों विवरण	**7**
4.	गांव का भौगोलिक विवरण	**8**
5.	आय सृजन गतिविधि से संबंधित उत्पाद का विवरण	**8**
6.	उत्पाद प्रक्रिया का विवरण	**9-10**
7.	उत्पाद कार्य योजना का विवरण	**10**
8.	मार्केटिंग/बिक्री का विवरण	**11**
9.	स्वोट विश्लेषण	**12**
10.	सदस्यों के बीच प्रबंधन का विवरण	**12**
11.	लागत विश्लेषण	**13-15**
12.	आर्थिक विश्लेषण का सार	**16**
13.	निधि की आवश्यकता	**16-17**
14.	निधि के स्रोत	**17**

15.	बैंक ऋण चुकौती	**18**
16.	प्रशिक्षण/ क्षमता निर्माण/ कौशल उन्नयन	**18**
17.	निगरानी तंत्र	**19**
18.	समूह का सामूहिक चित्र	**20**
19.	समूह का सामूहिक पत्र	**21**

<u>परिचय:</u>-

हिमाचल प्रदेश छोटी घाटियों, छोटी पहाड़ियों से लेकर शक्तिशाली पर्वत श्रृंखलाओं से युक्त है। जिनकी ऊँचाई 3000 मीटर से लेकर 6800मीटर तक है विविध आवासों की उपलब्धता के कारण यह जैव विविधता समृद्ध संस्कृति और धार्मिक विरासतों और सुन्दर भूदृश्य शेष समृद्ध है| राज्य का क्षेत्रफल 55,673 वर्ग किलोमीटर है और 75,00,000 की आबादी है राज्य की लगभग 90% आबादी ग्रामीण क्षेत्रों में रहती है कृषि अनुपालन बागवानी जलविद्युत और पर्यटन राज्यों की अर्थव्यवस्था के महत्वपूर्ण क्षेत्र है| राज्य में 12 जिले है और कुल जनसंख्या का 6.67% कुल्लू जिले में रहता है। यह जिला लाहौल स्पीति, किन्नौर, शिमला तथा मंडी जिले के साथ अपनी सिमाएं जोड़ता है। व्यास, पार्वती और सतलुज इस जिले की मुख्य नदियां हैं।

कुल्लू हिमाचल प्रदेश में बसा एक खूबसूरत जिला तथा पर्यटक स्थल है। बरसों से इसकी खूबसूरती और हरियाली पर्यटकों को अपनी ओर खींचती आई है व्यास नदी के किनारे बसा यह स्थान अपने यहां मनाए जाने वाले रंग-बिरंगे दशहरा के लिए प्रसिद्ध है यहां शत्रु शताब्दी में निर्मित रघुनाथ जी का मंदिर भी है जो हिंदुओं का प्रमुख तीर्थ स्थान है।

आनी निर्वाचन क्षेत्र हिमाचल प्रदेश के 68 निर्वाचन क्षेत्रों में से एक है कुल्लू जिले में स्थित यह निर्वाचन क्षेत्र अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित है 2012 में इस क्षेत्र में कुल 72276 मतदाता थे। हमारे यहां वन मंडल आने के तहत तीन परिक्षेत्र आते हैं। जिनमें से दो परिक्षेत्र में JICA परितोषित परियोजना द्वारा कार्य किया जा रहा है। अरसू वन परिक्षेत्र का कार्यालय निरमंड गांव के समीप स्थित है इस परिक्षेत्र के तहत 5 ग्रामीण वन विकास समितियां बनाई गई है।

- वन विकास समिति शटलधार
- वन विकास समिति रल्लू
- वन विकास समिति बडगई
- वन विकास समिति टिकरी खरगा
- वन विकास समिति सरगा

जिसमे अलग-अलग तरह से स्वयं सहायता समूह भी बनाए गए हैं यहां के लोगों का मुख्य व्यवसाय कृषि और बागवानी है।

हिमाचल प्रदेश वन पारिस्थितिकी तंत्र प्रबंधन और आजीविका सुधार परियोजना जाईका (JICA) प्रारंभ होने पर ग्राम वन विकास समिति सरगा की सूक्षम योजना बनाई गयी है |

परियोजना के माध्यम से शटलधार में स्वयं सहायता समूहों का गठन, "**श्री खण्ड स्वंय सहायता समूह** के रूप में किया गया।

इसके बाद "**श्री खण्ड स्वंय सहायता समूह** " ने वर्मीकम्पोस्ट बनाने का कार्य करने का निर्णय लिया। अपनी आर्थिक स्थितियों को बढ़ाने के लिए,उन्होंने पत्तल बनाने का काम करने का फैसला किया है | "**श्री खण्ड स्वंय सहायता समूह**" समूह मे केवल महिलाएं शामिल है । इस समूह में 12 सदस्य शामिल है |

इससे जुड़े पारिस्थितिक, आर्थिक और मानव स्वास्थ्य लाभों के कारण वर्मी-कम्पोस्टिंग देश में एक मजबूत मुकाम हासिल कर रहा है। रासायनिक उर्वरकों के स्थान पर वर्मिन कम्पोस्ट के उपयोग से विभिन्न खनिजों का बेहतर मृदा स्वास्थ्य संतुलित अनुपात और अच्छी उर्वरता और सर्वोत्तम गुणवत्ता वाली फसल उत्पादन होता है। जैविक खेती जिसने वर्तमान जीवन शैली में सबसे आगे का स्थान ले लिया है, मुख्य रूप से सभी जैविक खाद्य-श्रृंखला के उत्पादन में वर्मीकम्पोस्ट का उपयोग करके संभव है।

वर्मी कम्पोस्टिंग / कृमि खाद

वर्मी कम्पोस्टिंग एक ऐसी प्रक्रिया है जिसमें केंचुए जैविक कचरे को उच्च पोषक तत्वों से भरपूर खाद में परिवर्तित करते हैं। केंचुए आमतौर पर मिट्टी में रहते हुए, बायोमास पर भोजन करते हुए और इसे पचे हुए रूप में उत्सर्जित करते हुए पाए जाते हैं। केंचुए कार्बनिक अपशिष्ट पदार्थों को खाते हैं और "वर्मीकास्ट्स" के रूप में मल छोड़ते हैं जो नाइट्रेट और खनिजों जैसे फास्फोरस, मैग्नीशियम, कैल्शियम और पोटेशियम से भरपूर होते हैं। इन वर्मीकास्ट का उपयोग उर्वरकों के रूप में किया जाता है और ये मिट्टी की गुणवत्ता में सुधार करते हैं।

सामग्री की आवश्यकता

1. पानी
2. गाय का गोबर
3. फूस की छत
4. मिट्टी या रेत
5. केंचुआ
6. गनी बैग

7. कार्बनिक बायोमास
8. प्लास्टिक या सीमेंटेड टैंक
9. सूखे भूसे और खेतों से एकत्रित पत्ते
10. खेतों और रसोई से एकत्र किया गया बायोडिग्रेडेबल कचरा

1. SHG/CIG का विवरण

एसएचजी/सीआईजी का नाम	श्रीखण्ड वर्मीकम्पोस्ट
वीएफडीएस	सरगा
रेंज	अरसू
वनमण्डल	लुहरी (आनी)
ज़िला	कुल्लू
SHG में सदस्यों की कुल संख्या	12
गठन की तिथि	16/12/2022
बैंक खाता नम्बर	0943000101180469
बैंक विवरण	रामपुर बुशहर
SGH/CIG मासिक बचत	100/-
कुल बचत	
कुल अंतर-ऋण	1500/-
ब्याज दर	2%

2. लाभार्थियों का विवरण:

क्रमांक	नाम	पद	वर्ग	आय स्रोत	संपर्क नंबर
1.	अनिला देवी	अध्यक्ष	सामान्य	कृषि	
2.	अनार कलि	सचिव	सामान्य	कृषि	
3.	सूरमा देवी	**सदस्य**	सामान्य	कृषि	-
4.	सरोजनी देवी	**सदस्य**	सामान्य	कृषि	-
5.	शकुन्तला देवी	**सदस्य**	सामान्य	कृषि	-
6.	अमृता देवी	**सदस्य**	सामान्य	कृषि	-
7.	नुरमा देवी	**सदस्य**	सामान्य	कृषि	-
8.	देवेन्दरा देवी	**सदस्य**	सामान्य	कृषि	-
9	सोनम	**सदस्य**	सामान्य	कृषि	-
10.	गीता देवी	**सदस्य**	सामान्य	कृषि	-
11.	इशरा देवी	**सदस्य**	सामान्य	कृषि	-
12.	इशरा देवी	**सदस्य**	सामान्य	कृषि	-

3. गांव का भौगोलिक विवरण

3.1	जिला मुख्यालय से दूरी	::	180 किमी
3.2	गाड़ी योग्य सड़क से दूरी	::	50 मीटर
3.3	स्थानीय बाजार का नाम और दूरी	::	बागीपुल, 24 किमी
3.4	मुख्य बाजार का नाम और दूरी	::	रामपुर, 58 किमी
3.5	मुख्य शहरों के नाम और दूरी	::	रामपुर, 58 किमी निरमंड, 41 किमी
3.6	मुख्य शहरों के नाम जहां उत्पाद बेचा/विपणित किया जाएगा	::	रामपुर, 58 किमी

4. आय सृजन गतिविधि से संबंधित उत्पाद का विवरण

4.1	उत्पाद का नाम	::	वर्मी-खाद
4.2	उत्पाद पहचान की विधि	::	प्राथमिकता के आधार पर समूह के सदस्यों द्वारा सुझाई गई विभिन्न गतिविधियों से गतिविधि को

			शॉर्टलिस्ट किया गया और अंतिम रूप दिया गया।
4.3	एसएचजी/सीआईजी/क्लस्टर सदस्यों की सहमति	::	हां

5. उत्पादन प्रक्रिया का विवरण

स्टेप 1	खाद तैयार करने के लिए प्लास्टिक या कंक्रीट के टैंक/गड्ढे का उपयोग किया जा सकता है। टैंक/गड्ढे का आकार कच्चे माल की उपलब्धता पर निर्भर करता है, हालांकि एक मानक के रूप में, आकार को रखा जा रहा है10ftX4ftX2ft।
चरण 2	बायोमास एकत्र करें और इसे लगभग 8-12 दिनों के लिए सूर्य के नीचे रखें। अब कटर की मदद से इसे मनचाहे आकार में काट लें।
चरण 3	गाय के गोबर का घोल तैयार करें और जल्दी सड़ने के लिए इसे ढेर पर छिड़क दें।
चरण 4	टैंक/गड्ढे के तल पर सीमेंट कंक्रीट की एक परत (2 - 3 इंच) जोड़ें।
चरण-5	अब आंशिक रूप से विघटित गाय का गोबर, सूखे पत्ते और खेतों और रसोई से एकत्र किए गए अन्य बायोडिग्रेडेबल कचरे को मिलाकर बारीक बिस्तर तैयार करें। उन्हें समान रूप से ठोस परत पर वितरित करें।

कदम दर 6	कटा हुआ जैव-अपशिष्ट और आंशिक रूप से विघटित गाय के गोबर दोनों को परत-वार टैंक/गड्ढे में 0.5-1.0 फीट की गहराई तक डालना जारी रखें।
चरण-7	सभी जैव-अपशिष्ट मिलाने के बाद, केंचुआ प्रजाति को मिश्रण के ऊपर छोड़ दें और खाद मिश्रण को सूखे पुआल या बोरियों से ढक दें।
चरण-8	खाद में नमी की मात्रा को बनाए रखने के लिए नियमित रूप से पानी का छिड़काव करें।
चरण-9	चींटियों, छिपकलियों, चूहे, सांपों आदि के प्रवेश को रोकने के लिए टैंक/गड्ढे को छप्पर की छत से ढक दें और खाद को बारिश के पानी और सीधी धूप से बचाएं।
चरण-10	कंपोस्ट को ज़्यादा गरम होने से बचाने के लिए बार-बार जाँच करें। उचित नमी और तापमान बनाए रखें।

6. उत्पादन योजना का विवरण

6.1	उत्पादन चक्र (दिनों में)	::	90 दिन (वर्ष में तीन चक्र)
6.2	प्रति चक्र आवश्यक जनशक्ति (संख्या)	::	1
6.3	कच्चे माल का स्रोत	::	घर और अपने खेतों से
6.4	अन्य संसाधनों का स्रोत	::	मुक्त बाज़ार

6.5	कच्चा माल - आवश्यक मात्रा प्रति चक्र (किलोग्राम) प्रति सदस्य	::	1800 किलो प्रति चक्र
6.6	प्रति सदस्य प्रति चक्र (किलो) अपेक्षित उत्पादन	::	900 किलो प्रति चक्र

7. मार्केटिंग/बिक्री का विवरण

7.1	संभावित बाजार स्थान	::	एचपी वन विभाग स्थानीय बाजार अपने खेत पर प्रयोग करें
7.2	इकाई से दूरी	::	विभिन्न स्थानों पर आपूर्ति की जानी है
7.3	बाजार में उत्पाद की मांग	::	एचपी वन विभाग उनकी नर्सरी के लिए विशाल वर्मी-कम्पोस्ट खरीद रहा है
7.4	बाजार की पहचान की प्रक्रिया	::	पीएमयू हिमाचल प्रदेश वन विभाग के साथ एसएचजी द्वारा उत्पादित वर्मी-कम्पोस्ट की खरीद की सुविधा प्रदान करेगा।

7.5	उत्पाद की मार्केटिंग रणनीति	::	एसएचजी सदस्य भविष्य में बेहतर बिक्री मूल्य के लिए अपने गांवों के आसपास अतिरिक्त विपणन विकल्प तलाशेंगे।
7.6	उत्पाद ब्रांडिंग	::	सीआईजी/एसएचजी स्तर पर उत्पाद का विपणन संबंधित सीआईजी/एसएचजी की ब्रांडिंग द्वारा किया जाएगा। बाद में इस IGA को क्लस्टर स्तर पर ब्रांडिंग की आवश्यकता हो सकती है
7.7	उत्पाद "नारा"	::	"चलो जैविक"

8. स्वोट विश्लेषण

❖ **ताकत**

- गतिविधि पहले से ही कुछ एसएचजी सदस्यों द्वारा की जा रही है
- एसएचजी के प्रत्येक सदस्य के पास प्रत्येक घर में 2 से 8 तक के मवेशी हैं
- एसएचजी सदस्यों के परिवार उच्च मूल्य वाली फसलों और सब्जियों की खेती कर रहे हैं जो पूरे वर्ष कच्चे माल यानी कृषि जैविक कचरे की पर्याप्त उपलब्धता प्रदान करते हैं।
- उनके खेतों में आसानी से उपलब्ध कच्चा माल
- निर्माण प्रक्रिया सरल है
- उचित पैकिंग और परिवहन में आसान
- परिवार के अन्य सदस्य भी लाभार्थियों का सहयोग करेंगे
- उत्पाद का आत्म-जीवन लंबा है

❖ **दुर्बलता**

- विनिर्माण प्रक्रिया/उत्पाद पर तापमान, आर्द्रता, नमी का प्रभाव।
- तकनीकी जानकारी का अभाव

❖ **मौका**

- जैविक एवं प्राकृतिक खेती के प्रति किसानों में जागरूकता के कारण वर्मी कम्पोस्ट की बढ़ती मांग
- वर्मी कम्पोस्ट को अपने खेत में लगाने से मिट्टी की सेहत में सुधार होगा और गुणवत्तापूर्ण कृषि उत्पादों का उत्पादन होगा जिससे बेहतर कीमत मिलेगी।
- रसोई घर से बाहर रह गए घरेलू कचरे सहित जैविक कचरे का सर्वोत्तम उपयोग
- एचपी फॉरेस्ट के साथ मार्केटिंग गठजोड़ की संभावना

❖ **धमकी/जोखिम**

- अत्यधिक मौसम के कारण उत्पादन चक्र के टूटने की संभावना
- प्रतिस्पर्धी बाजार
- प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण और कौशल उन्नयन में भागीदारी के प्रति लाभार्थियों के बीच प्रतिबद्धता का स्तर

9. सदस्यों के बीच प्रबंधन का विवरण

➔ **उत्पादन** - कच्चे माल की खरीद सहित व्यक्तिगत सदस्यों द्वारा इसका ध्यान रखा जाएगा

➔ **गुणवत्ता आश्वासन** - समग्र रूप से

➔ **सफाई और पैकेजिंग** - समग्र रूप से

➔ **विपणन** - समग्र रूप से

➔ **इकाई की निगरानी** - समग्र रूप से

10. लागत विश्लेषण

(राशि वास्तविक रु. में)

क्रमांक	विवरण	इकाइयों	मात्रा / संख्या	लागत (रु.)	वर्ष 1	वर्ष 2	वर्ष 3	वर्ष 4	वर्ष 5
ए।	**पूंजी लागत**								
ए.1	**कार्य-शेड का निर्माण**								
1	हार्डवेयर आइटम, गड्ढे का निर्माण (आकार 10ftX4ftX2ft का होगा)	प्रति सदस्य	12	7000	84000	0	0	0	0
2	कवर शेड का निर्माण	प्रति सदस्य	12	5000	60000				
	उप-कुल (ए.1)				**144000**	**0**	**0**	**0**	**0**
.2	**उपकरण और औजार**								
2	उपकरण, उपकरण आदि।	प्रति सदस्य	12	2500	30000	0	0	0	0
	उप-कुल (ए.2)				**30000**	**0**	**0**	**0**	**0**
	कुल पूंजीगत लागत (ए.1+ए.2)				**174000**	**0**	**0**	**0**	**0**

बी	**आवर्ती लागत**								
3*	इकाई स्थापित करने के लिए भूमि का पट्टा	प्रतिवर्ष	12	0	0	0	0	0	0
4	अन्य विविध खर्च	प्रतिवर्ष	12	0	0	0	0	0	0
5	बीज केंचुआ	प्रति किलो	12	650	7800	0	0	0	0
6*	गारा/गोबर/अपशिष्ट की खरीद की लागत	टन	0	0	0	0	0	0	0
7*	श्रम लागत	प्रति टन	0	0	0	0	0	0	0
8	पैकिंग सामग्री	संख्या	150	100	15000	8500	9000	9500	10000
9	अन्य हैंडलिंग शुल्क	प्रति टन	50	170	8500	8500	9000	9500	10000
सी	**अन्य शुल्क**								
10	बीमा	एल/एस			0	0	0	0	0
11	ऋण पर ब्याज	प्रतिवर्ष		0	0	0	0	0	0
	कुल आवर्ती लागत				**31300**	**17000**	**18000**	**19000**	**20000**
	कुल लागत = पूंजी + आवर्ती				**205300**	**17000**	**18000**	**19000**	**20000**
डी	**वर्मी कम्पोस्टिंग से आय**								
12	**वर्मीकम्पोस्ट की बिक्री**	टन	40	**6000**	**240000 (6000)**	**260000 (6500)**	**280000 (7000)**	**300000 (7500)**	**320000 (8000)**

13	**केंचुआ की बिक्री**					**5000**	**10000**	**10000**	**10000**
14	**कुल राजस्व**				**240000**	**260000**	**280000**	**300000**	**320000**
15	शुद्ध रिटर्न (डी-सी)				34700	244000	263000	282000	301000

ध्यान दें -

**3. अपनी जमीन पर*

**6 सभी ऑपरेशन सदस्यों द्वारा स्वयं किए जाएंगे*

**7 कोई अतिरिक्त श्रम लागत नहीं, क्योंकि सभी सदस्य स्वयं कार्य करेंगे*

() कोष्ठक में दी गई दर प्रति टन

लागत/लाभ का सार

विवरण	**वर्ष 1**	**वर्ष 2**	**वर्ष 3**	**वर्ष 4**	**वर्ष 5**
पूंजी लागत	**174000**	**0**	**0**	**0**	**0**
आवर्ती लागत	**31300**	**17000**	**18000**	**19000**	**20000**
कुल लागत	**205300**	**17000**	**18000**	**19000**	**20000**
कुल राजस्व	**240000**	**260000**	**280000**	**300000**	**320000**
शुद्ध लाभ	34700	243000	262000	281000	300000

11. आर्थिक विश्लेषण का सार

- प्रत्येक सदस्य के लिए गड्ढे का आकार एक गड्ढे के लिए 10X4X2 फीट की योजना बनाई गई है।
- वर्मी कम्पोस्ट की उत्पादन लागत 3.6 रुपये प्रति किग्रा आंकी गई है।
- वर्मी-कम्पोस्ट की बिक्री 6 रुपये प्रति किलो में प्रस्तावित है।
- शुद्ध लाभ होने 6-3.6 = 2.4 रुपये प्रति किग्रा का अनुमान है।
- यह प्रस्तावित है कि प्रत्येक सदस्य हर साल 3.3 टन वर्मी-कम्पोस्ट का उत्पादन करेगा जिसके परिणामस्वरूप एक वर्ष में एसएचजी के सभी 12 सदस्यों द्वारा 40 टन वर्मी-कम्पोस्ट का उत्पादन किया जाएगा।
- केंचुआ की कीमत 650.00 रुपये प्रति किग्रा रखी गई है।
- दूसरे वर्षों के दौरान, बिक्री के लिए अधिशेष केंचुए होंगे (क्योंकि यह वर्मी-कम्पोस्ट के उत्पादन की प्रक्रिया के दौरान कई गुना बढ़ जाएगा)
- वर्मी कम्पोस्ट बनाना एक लाभदायक IGA है और इसलिए SHG सदस्यों द्वारा इसे लिया गया है।

12. निधि की आवश्यकता:

क्रमांक नहीं।	विवरण	कुल राशि (रु.)	परियोजना का समर्थन	एसएचजी योगदान
1	कुल पूंजी लागत	174000	130500	43500
2	कुल आवर्ती लागत	31300	0	31300
3	प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन	0	0	0
	कुल =	**205300**	**130500**	**74800**

नोट-उपरोक्त टेबल में जो पूंजीगत व्यय दर्शाया गया है वो अनुमानित तौर पर दर्शाया गया है, तथा इस पूंजीगत व्यय को डिमांड करने के दौरान इससे निश्चित राशी की मांग की जाएगी।

ध्यान दें-

- **पूंजी लागत -**परियोजना के तहत कवर की जाने वाली पूंजीगत लागत का 75%
- **आवर्ती लागत -**एसएचजी/सीआईजी द्वारा वहन किया जाएगा।
- **प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन -** परियोजना द्वारा वहन किया जाएगा

13. निधि के स्रोत:

परियोजना का समर्थन	• पूंजीगत लागत का 75% गड्ढे का निर्माण उपयोग में किया जाएगा (आकार 10ftX4ftX2ft का होगा) • 1 लाख रुपये रिवॉल्विंग फंड के रूप में SHG बैंक खाते में (बैंक से ऋण लेने के मामले में बैंक ऋण लेने के लिए उपयोग किया जाना चाहिए) या रिवॉल्विंग फंड के रूप में रखा जाएगा। • प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन लागत।	सभी कोडल औपचारिकताओं का पालन करने के बाद संबंधित डीएमयू/एफसीसीयू द्वारा गड्ढे/गड्ढे के निर्माण के लिए सामग्री की खरीद की जाएगी।
एसएचजी योगदान	• एसएचजी द्वारा वहन की जाने वाली पूंजीगत लागत का 75%, इसमें शेड/शेड के निर्माण की लागत शामिल है। • एसएचजी द्वारा वहन की जाने वाली आवर्ती लागत	

14. बैंक ऋण चुकौती

यदि ऋण बैंक से लिया गया है तो यह नकद ऋण सीमा के रूप में होगा और सीसीएल के लिए पुनर्भुगतान अनुसूची नहीं है; हालांकि, सदस्यों से मासिक बचत और चुकौती रसीद सीसीएल के माध्यम से भेजी जानी चाहिए।

- सीसीएल में, एसएचजी के बकाया मूलधन का बैंकों को साल में एक बार पूरा भुगतान किया जाना चाहिए। ब्याज राशि का भुगतान मासिक आधार पर किया जाना चाहिए।
- सावधि ऋणों में, चुकौती बैंकों में चुकौती अनुसूची के अनुसार की जानी चाहिए।

15. प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन

प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन लागत परियोजना द्वारा वहन की जाएगी।

निम्नलिखित कुछ प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन प्रस्तावित/आवश्यक हैं:

- परियोजना अभिविन्यास समूह का गठन/पुनर्गठन
- समूह अवधारणा और प्रबंधन
- आईजीए (सामान्य) का परिचय
- विपणन और व्यवसाय योजना विकास
- बैंक क्रेडिट लिंकेज और उद्यम विकास
- एसएचजी/सीआईजी का एक्सपोजर दौरा - राज्य के भीतर और राज्य के बाहर

16. निगरानी तंत्र

- वीएफडीएस की सामाजिक लेखा परीक्षा समिति आईजीए की प्रगति और प्रदर्शन की निगरानी करेगी और प्रक्षेपण के अनुसार इकाई के संचालन को सुनिश्चित करने के लिए यदि आवश्यक हो तो सुधारात्मक कार्रवाई का सुझाव देगी।

- एसएचजी को प्रत्येक सदस्य के आईजीए की प्रगति और प्रदर्शन की समीक्षा करनी चाहिए और प्रक्षेपण के अनुसार इकाई के संचालन को सुनिश्चित करने के लिए यदि आवश्यक हो तो सुधारात्मक कार्रवाई का सुझाव देना चाहिए।

समूह के सदस्यों की तस्वीरें -

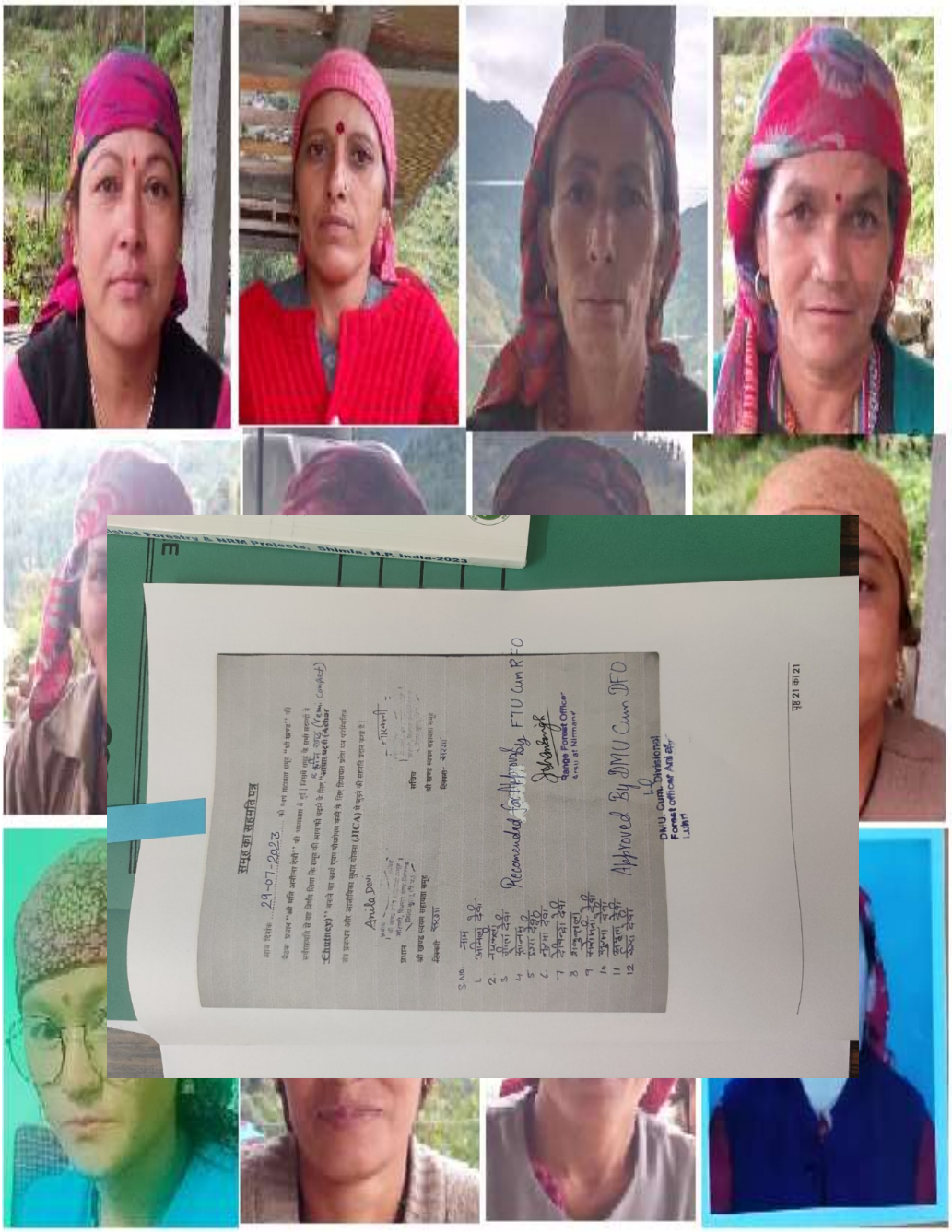
समूह का सहमति पत्र
29-07-2023
Chutney
Anita Devi
Recommended for Approval by FTU cum RFO
Approved By DMU Cum DFO
DMU Cum Divisional
Forest Officer Arki
HPFT
पृष्ठ 21 का 21

समूह का सहमति पत्र

आज दिनांक 29-07-2023 को स्वयं सहायता समूह "श्री खण्ड" की बैठक प्रधान "श्री मति अनीला देवी" की अध्यक्षता में हुई। जिसमें समूह के सभी सदस्यों ने सर्वसहमति से यह निर्णय लिया कि समूह की आय को बढ़ाने के लिए ~~"अचार चटनी (Achar Chutney)"~~ कृमि खाद (Vermi Compost) बनाने का कार्य एवम पौधरोपण करने के लिए हिमाचल प्रदेश वन पारिस्थितिक तंत्र प्रबन्धन और आजीविका सुधार योजना (JICA) से जुड़ने की सहमति प्रदान करते है।

Anila Devi

प्रधान

श्री खण्ड स्वयम सहायता समूह

टिक्करी सरगा

नारकली

सचिव

श्री खण्ड स्वयम सहायता समूह

टिक्करी- सरगा

S.NO.	नाम
1.	अनिला देवी
2.	नारकली
3	गीता देवी
4	फूलमू
5	इन्दरा देवी
6.	नूरमा देवी
7	देविन्द्रा देवी
8	शकुन्तला
9	सरोजनी देवी
10	सुरमा देवी
11	अमृता देवी
12	हीरा देवी

Recomended for Approval By FTU Cum RFO

Range Forest Officer
Arsu at Nirmand

Approved By DMU Cum DFO

DMU. Cum. Divisional
Forest officer Ani at
Luhri

पृष्ठ 21 का 21